

नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2024

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में भारत नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स (NRI) 2024 में 11 पायदान चढ़कर 49वें स्थान पर पहुँच गया है, जो वर्ष 2023 में 60 वें स्थान पर था। यह इसके डिजिटल बुनियादी ढाँचे और क्षमताओं में उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है।

- वर्ष: पोर्टुगाल संस्थान NRI प्रकाशित करता है, जो प्रौद्योगिकी, लोग, शासन और प्रभाव जैसे चार प्रमुख स्तंभों में 54 चरों का उपयोग करके 133 अर्थव्यवस्थाओं का मूल्यांकन करता है।

भारत की उपलब्धियाँ:

- भारत का स्कोर वर्ष 2023 में 49.93 से सुधरकर वर्ष 2024 में 53.63 हो गया, जो वभिन्न डिजिटल मेट्रिक्स और नवाचारों में पर्याप्त प्रगति का संकेत देता है।
- भारत ने प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक रैंकिंग हासिल की:
 - वैश्विक स्तर पर प्रथम रैंक: **AI वैज्ञानिक प्रकाशन**, AI प्रतभा की सघनता, आईसीटी सेवा नरियात।
 - वैश्विक स्तर पर दूसरा स्थान: **फाइबर टू द प्रीमाइसेस (FTTH)** इंटरनेट सब्सक्रिप्शन, मोबाइल ब्रॉडबैंड ट्रैफिक, अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट बैंडविड्थ।
 - वशिव स्तर पर तीसरा स्थान: घरेलू बाज़ार स्तर।
 - वार्षिक दूरसंचार नविश में वशिव स्तर पर चौथा स्थान।

दूरसंचार प्रगति:

- भारत के दूरसंचार क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसमें टेली-घनत्व 84.69%, वायरलेस कनेक्शन 119 करोड़ तथा इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 25.1 करोड़ से बढ़कर 94.4 करोड़ हो गई है।
- वर्ष 2022 में **5G सेवाओं** के शुभारंभ से भारत की मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड रैंकिंग 118 वें से बढ़कर 15वें स्थान पर पहुँच गई है, साथ ही **भारत 6G वज़िन ने** भारत को भविष्य के दूरसंचार क्षेत्र में अग्रणी के रूप में स्थापित किया है।

और पढ़ें: [नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2022](#)